मानव और पालतू जानवरों के बीच संबंध और उपयोगिता

स्वतंत्र कुमार कुशवाहा
प्राणी विज्ञान विभाग

भारत में मानव और पालतू पशुओं के बीच बहुआयामी, गहरे और प्राचीन संबंध हैं, जो ऐतिहासिक रूप से सेवा, शिकार और सुरक्षा के एक कामकाजी संबंध से विकसित होकर स्नेह, परिवार और आध्यात्मिक संबंधों तक पहुँच गए हैं। पालतू जानवरों के कल्याण और लोगों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को इस संबंध से लाभ मिलता है, लेकिन यह भी मानव-पशु संघर्षों से उत्पन्न होने वाली आर्थिक, सुरक्षा और पारिस्थितिक चुनौतियों को भी सामने लाता है, जिन्हें सहानुभूति, सहयोग और उचित प्रबंधन से कम किया जा सकता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वालों के लिए, हर सुबह उठने पर बिस्तर पर छोटे-छोटे पंजे चलना या हाथ पर ठंडी, गीली नाक लगना एक आम बात है। अमेरिकन पेट प्रोडक्ट्स एसोसिएशन (ईईं) द्वारा किए गए २०१७-१८ के राष्ट्रीय पालतू पशु मालिकों के सर्वेक्षण के अनुसार, ६८ प्रतिशत अमेरिकी घरों में पालतू जानवर हैं; यह ८४.६ मिलियन घरों के बराबर है। और, जबकि कुत्ते और बिल्लियाँ सबसे लोकप्रिय विकल्प बने हुए हैं, घोड़े, पक्षी, मछलियाँ, सरीसृप और अन्य जानवर भी इस सूची में शामिल हैं।६८ प्रतिशत घरों में पालतू जानवर हैं

अमेरिकी अपने पालतू जानवरों से बेहद प्यार करते हैं।ईं का अनुमान है कि इस साल अमेरिका में पालतू जानवरों पर ७२.१ अरब डॉलर खर्च होंगे (२०१७ में ६९.५ अरब डॉलर से ज़्यादा)। इन खर्चों में भोजन, आपूर्ति, बिना डॉक्टरी पर्ची वाली दवाइयाँ, पशु चिकित्सा, जीवित पशुओं की खरीदारी और अन्य सेवाएँ शामिल हैं।

यह सिर्फ़ खर्च करने की आदतों का मामला नहीं है। पालतू जानवर अपने मालिकों के साथ रोज़ाना जिस तरह

से पेश आते हैं, उससे पता चलता है कि उनकी कितनी अहमियत है, और आजकल लोग अपने पालतू जानवरों के साथ वैसा ही व्यवहार करते हैं जैसा वे किसी और के साथ करते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ७० प्रतिशत पालतू जानवरों के मालिक कहते हैं कि वे कभी-कभी अपने पालतू जानवरों के साथ सोते हैं, ६५ प्रतिशत अपने पालतू जानवरों के लिए क्रिसमस के तोहफ़े खरीदते हैं, २३ प्रतिशत अपने पालतू जानवरों के लिए खास़ खाना बनाते हैं, और पालतू जानवरों वाली ४० प्रतिशत विवाहित महिलाओं का कहना है कि उन्हें अपने पालतू जानवरों से अपने जीवनसाथी से ज़्यादा भावनात्मक सहारा मिलता है।

प्रारंभ मे -

पालतू जानवरों और उनके मालिकों के बीच का यह बंधन हमेशा इंसानों के आपसी रिश्तों जैसा नहीं रहा। जीवन विज्ञान कंपनी बायर के अनुसार, इंसान और जानवरों के बीच का रिश्ता १५,००० से भी ज़्यादा सालों से विकसित हो रहा है, और इसकी शुरुआत एक कामकाजी रिश्ते के रूप में हुई थी। जानवर इंसानों को सुरक्षा और सेवा प्रदान करते थे; यह शिकार करते, खेती करते, या रोज़मर्रा के जीवन के लिए ज़रूरी दूसरे काम करते हुए भी हो सकता था। कुत्ते जानवरों का पीछा करते और झुंड में रहते थे। बिल्लियाँ आमतौर पर बाहर रहती थीं, और चूहों का शिकार करके उन्हें मार देती थीं, जो बीमारी फैला सकते थे और खाने-पीने की चीज़ों को नुकसान पहुँचा सकते थे।

युद्ध के दौरान जानवरों ने भी लोगों की सेवा की। यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी मेडिकल डिपार्टमेंट जर्नल (१९३०) में घुड़सवार घोड़ों, संतरी कुत्तों, वाहक कबूतरों और यहाँ तक कि शुभंकर का भी जानवरों की सामान्य ऐतिहासिक सैन्य भूमिकाओं के रूप में उल्लेख किया गया है। १९३० के अनुसार, ये जानवर न केवल सुरक्षा प्रदान करते थे; बल्कि अपने मानव समकक्षों को तनाव से राहत और गर्व की भावना भी प्रदान कर सकते थे।

पालतू जानवर, मनुष्य और उनका स्वास्थ्य एक साथ मानव-पशु संबंध को एकतरफ़ा मानकर नज़रअंदाज़ करना आसान है। पालतू जानवरों को भोजन, पानी, आश्रय और कल्याण जैसी अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपने मालिकों की ज़रूरत होती है। लेकिन, मनुष्य अपने साथी जानवरों से एक अलग तरह की भलाई प्राप्त कर सकते हैं। शोध बताते हैं कि पालतू जानवर रक्तचाप कम कर सकते हैं, तनाव कम कर सकते हैं, रक्त में ऑक्सीटोसिन का स्तर बढ़ा सकते हैं, और कुछ मामलों में, सीधे दर्द को भी कम कर सकते हैं। बायर के अनुसार, कुत्तों के साथ रहने वाले लोगों में हृदय रोग से मरने की संभावना १५ प्रतिशत कम होती है।

नव स्वास्थ्य चुनौतियों में भी लाभकारी हो सकते हैं। बुज़ुर्ग साथी जानवरों के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया देते हैं। बायर के अनुसार, अवसाद, हृदय संबंधी बीमारियाँ और मनोभ्रंश जैसी बीमारियाँ अकेलेपन से बढ़ सकती हैं। साथी जानवरों के साथ रहने से बुज़ुर्ग लोगों को सकारात्मक मानसिक और शारीरिक प्रभाव का अनुभव हो सकता है। बच्चों में भी भावनात्मक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और पालतू जानवर अन्य मा व्यवहारिक विकास के दौरान इसी तरह के परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

आज के कामकाजी और उत्पादन पशु -

मानव-पशु संबंध विभिन्न परिस्थितियों में देखा जा सकता है। विशेष रूप से, काम करने वाले जानवर अपने मानव मालिकों के साथ अपने संबंधों के लिए जाने जाते हैं। भावनात्मक सहारा, चिकित्सा और सेवा देने वाले जानवर आराम, सुरक्षा प्रदान करते हैं और अपने मालिकों को जीवन भर मदद करने के लिए दैनिक कार्य करते हैं। पशु उन लोगों के लिए उपचार प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकते हैं जो दुर्व्यवहार या आघात का अनुभव करते हैं, जिनमें युद्ध के दौरान सेवा देने वाले पूर्व सैनिक भी शामिल हैं।

सेवा कुत्ते -

ऊपर: एक नाविक तिरपिट्ज़ी नामक सूअर पर अपना सिर टिकाए हुए है, जो प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एचएमएस ग्लासगो का शुभंकर था। बीच में: बेल्जियम के नामुर में एक कबूतर संचार स्कूल में, एक प्रेषण कुत्ते को कबूतरों को अग्रिम पंक्ति तक पहुँचाने के लिए एक कबूतर टोकरी से सुसज्जित किया गया है। नीचे: एक पशु चिकित्सक फ्रांस में छर्रे लगने से घायल घोड़े की देखभाल कर रहा है। अनुमान है कि संघर्ष के दौरान गोलाबारी, खराब मौसम और भयावह जीवन स्थितियों के कारण अकेले अस्सी लाख घोड़े मारे गए।

जानवर अन्य सेवाएँ भी प्रदान कर सकते हैं। कुछ किसान अपनी ज़मीन और पशुओं की रखवाली के लिए मोर पालते हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियां संदिग्धों का पता लगाने, उन्हें पकड़ने और बमों व नशीले पदार्थों की पहचान करने के लिए कुत्तों पर निर्भर रहती हैं। अमेरिकी नौसेना की लड़ाकू डॉल्फ़िन पानी के नीचे की खदानों और दुश्मन तैराकों की मौजूदगी का पता लगाती हैं, जबकि मरीन ने दुर्गम इलाकों में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामान पहुँचाने के लिए कई तरह के अभियानों में खच्चरों का इस्तेमाल किया है।

मानव-पशु बंधन उत्पादन पशुओं की आबादी में भी देखा जाता है। किसान, पशुपालक, देखभालकर्ता और पशुचिकित्सक अपनी देखरेख में पशुओं के साथ एक

बंधन विकसित करते हैं। यह बंधन, अलग होते हुए भी, उतना ही मज़बूत है, और सीधे तौर पर मानवीय सहानुभूति की क्षमता से जुड़ा है; यह उन्हें पशुओं को सर्वोत्तम जीवन स्तर प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

भविष्य में मानव -पशु संबंध -

जैसे-जैसे मानव-पशु संबंध समय के साथ विकसित हुए हैं, यह सोचना तर्कसंगत है कि यह आगे भी विकसित होता रहेगा क्योंकि लोगों के विभिन्न जानवरों के साथ संबंध भी बदलते रहते हैं। साथी जानवरों के पालन-पोषण और विभिन्न प्रकार के कामकाजी जानवरों के साथ बातचीत करने के स्वास्थ्य लाभ कई लोगों के जीवन में गहरा प्रभाव डाल रहे हैं।जैसे-जैसे यह बंधन मज़बूत होता जाएगा, स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के नए क्षेत्र, जैसे किसी साथी पशु की मृत्यु का शोक, भी तेज़ी से लोकप्रिय होते जाएँगे। उत्पादन पशुओं के लिए भी यही बात लागू होती है। जैसे-जैसे पशु चिकित्सक और शोधकर्ता पशु कल्याण और स्वास्थ्य मानकों के बारे में और अधिक सीखते जाएँगे, और कृषि उद्योग में बदलाव आएगा, वैसे-वैसे नए शोध और प्रोटोकॉल लागू किए जाएँगे जो मनुष्यों और पशुओं के बीच इन संबंधों को बेहतर बनाएँ ।

यह वन हेल्थ के संदर्भ में विशेष रूप से सत्य है, एक ऐसी अवधारणा जो मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण के स्वास्थ्य को स्थायी रूप से एक-दूसरे से जुड़ा हुआ बताती है। हालाँकि वन हेल्थ के बारे में अतीत और वर्तमान की अधिकांश बातचीत जूनोटिक रोगों और पशु जलाशयों पर केंद्रित रही है, छोटे साथी जानवर और उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य में उनकी भूमिका अब अधिक प्रासंगिक होती जा रही है। जैसे-जैसे वैज्ञानिक मानव-पशु संबंध के स्वास्थ्य लाभों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करते जा रहे हैं, यह संबंध बदलता भी रह सकता है।

ङङङ

Global Positioning System (GPS)

Mr. Ashwini Singh
Dept. of Physics

Global Positioning System is a satellite objects in real time. It is a system consisting of 24 satellites constantly orbing around the earth in six different approximately circular orbits, each consisting of four satellites. G.P.S. is owned and managed by unite states (U.S.) government, but, provides access to anyone free-of-cost. It provides geo-location and information about time and velocity to a GPS receiver placed near or on the earth lying in the view of four or more satellite at a time. This information about a GPS receiver it based on data received by it from multiple GPS satellites.

If the GPS receiver is in the field of view of three GPS satellites, then the latitudes and longitudes information can be obtained about it. But if the GPS receiver is in the view field of four satellites, then the altitudes can also be determined in addition to latitudes and longitudes. The GPS does not need any communication, device or internet connectivity. However, the additional availability of these components enhances usefulness of GPS. It became fully operational in 1993. GPS find applications in diverse field such as farming, construction, mining, surveying, logistic supply chain etc.

GPS satellites revolve in the orbits lying at an altitude of 20000 km above the earth and have orbital speeds about 14000km per second.

Advantage

1. Freely available every where on the glove and easy to use
2. Provides location-based information which is quite useful in tracking vehicles, locating desire, destination etc.

Disadvantage

1. GPS services can not be availed indoors or under the water or in under-ground stores etc.
2. Effects of multipath, electromagnetics interference, atmosphere, etc. on GPS signal led to an error of about 5 to 10m in location determination. ***